P-997

Total Pages : 3 Roll No. .....

MASL-104

नाटक एवं नाट्यशास्त्र

एम.ए. संस्कृत (एम.ए.एस.एल)

प्रथम वर्ष, सत्र 2023 (जून)

Time : 2 Hours] **Max. Marks : 70**

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खण्डों क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।

(खण्ड-क)

(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (2×19=38)

1. अधोलिखित श्लोक की सन्दर्भ सहित व्याख्या कीजिए :

शिशुर्वा शिष्या वा यदसि मम तत्तिष्ठतु तथा

विशुधेरुत्कर्शस्त्वयि तु मम भक्तिं द्रढयति।

शिशुत्वं स्रैणं वा भवतु ननु वन्द्यासि जगतां

गुणाः पूजास्थानं गुणिषु न च लिंगं न च वयः।।

2. अधोलिखित श्लोकों की सन्दर्भ सहित व्याख्या कीजिए :

वज्रादपि कठोराणि मृदूनि कुसुमादपि,

लोकोत्तराणां चेतांसि को नु विग्यातुमर्हति।

लौकिकानां हि साधुनामर्थं वागनुवर्तते,

ऋषीणां पुनाराद्यानां वाचमर्थोनुधावति।।

3. अधोलिखित श्लोक के आधार पर नाट्यशास्त्र को इतिहास क्यों माना जाता है स्पष्ट कीजिए :

उत्पाद्य नाट्य वेदं तु ब्रह्मोवाच सुरेश्वरम्

इतिहासो मया सृष्टः स सुरेषु नियुज्यताम्।।

4. दश रूपक के आधार पर नायक नायिका के लक्षण तथा प्रकारों का विवेचन कीजिए।

5. भवभूति की नाट्य शैली का विश्लेषण कीजिए।

(खण्ड-ख)

(लघु उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (4×8=32)

1. राम के (आराधानाय लोकस्य) इस कथन की व्याख्या कीजिए।

2. टिप्पणी लिखिए- कारूण्यं भवभूतिरेव तनुते।

3. उत्तररामचरितम के प्रथम अंक का सार लिखिए।

4. ते हि नो दिवस गता: की व्याख्या कीजिए।

5. रूपक के भेद लिखिए।

6. पञ्च सन्धियों का वर्णन कीजिए।

7. नायिका का लक्षण व प्रकार लिखिए।

8. आर्थोपक्षेपक को स्पष्ट कीजिए।